<u>7 Days NSS Camp</u>

एनएसएस केवल एक सेवा योजना नहीं : सुमन

राजकीय महिला महाविद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरु

संवाद न्यूज एजेंसी

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा में प्राचार्य प्रो. राम कुमार जांगड़ा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ किया गया।

इसका आगाज कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुमन शर्मा ने दीप प्रज्वलन करके किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस केवल एक सेवा योजना नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी, अनुशासन और सेवा भावना का विकास करती है।

उन्होंने स्वयंसेविकाओं को समाज सेवा के महत्व को समझाते हुए कहा कि एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना चाहिए और जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में राष्ट्र सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

सुमन शर्मा ने स्वयंसेविकाओं से एनएसएस की थीम नॉट मी, बट यू को अपनाने की अपील की और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लेने के लिए सभी को प्रेरित किया।

सिरसा के राजकीय महिला महाविद्यालय में विद्यार्थियों को संबोधित करतीं सुमन। कॉलेज

डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि एनएसएस का उद्देश्य स्वयंसेविकाओं में सेवा, परिश्रम और सामूहिक चेतना की भावना विकसित करना है। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को आत्मनिर्भर बनने और समाज के प्रति जागरूकता लाने का आह्वान किया।

एनएसएस इकाई की प्रभारी डॉ. प्रीत कौर ने भी स्वयंसेविकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव करके राष्ट्र निर्माण कर सकते हैं। शिविर के कार्यक्रम की रूपरेखा सभी स्वयंसेविकाओं से सांझा की।

इसमें स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्त भारत अभियान, अंग दान महादान, सड़क सुरक्षा व विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान प्रो. मोनिका गिल, प्रो. अंकिता मोंगा, प्रो. रूपिंदर कौर, प्रो संदीप, प्रो. किरण बाला आदि मौजूद रहे।

<u>7 Days NSS Camp</u>

<u>7 Days NSS Camp</u>

7 Days NSS Camp

<u>7 Days NSS Camp</u>

शिक्षित होना है नारी सशक्तिकरण का पहला कदम: डा.जोगिन्द्र सिंह

सिरसा, 23 मार्च (जगदीश प्रजापति): क्षेत्र के राजकीय महिला महाविद्यालय, सिरसा में महाविद्यालय के प्राचार्य राम कुमार जांगड़ा जी की अध्यक्षता डा. प्रीत कौर के संयोजन में एनएसएस इकाई के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन की शुरुआत सभी के हार्दिक अभिनंदन और लक्ष्य गीत से की गई। इस कैंप में आज के मुख्य वक्ता सीएमआरजे राजकीय महाविद्यालय मीठी सुरेरा एलेनाबाद से डा. जोगिन्द्र सिंह ने 'महिला सशक्तिकरण व महिला अधिकार' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण महिलाओं को अपने जीवन पर नियंत्रण पाने और स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने, उनकी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सशक्त

जागरूक होती हैं।महिलाओं के अधिकारों की धारणाओं के साथ जुड़े मुद्दों में शारीरिक अखंडता और स्वायत्तता का अधिकार, यौन हिंसा से मुक्ति, वोट देने का अधिकार, सार्वजनिक पद धारण करने का अधिकार, कानूनी अनुबंध करने का अधिकार, पारिवारिक कानून में समान अधिकार, काम करने का अधिकार, उचित मजदूरी या समान वेतन, प्रजनन अधिकार, स्वामित्व का अधिकार आदि शामिल हैं।दूसरे सत्र में एनएसएस छात्राओं द्वारा चतरगढ़ पट्टी में एंटी ड्रग रैली का आयोजन किया गया जिसे महाविद्यालय के डा. विक्रमजीत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से समाज की सेवा करने का

7 Days NSS Camp

छात्राओं ने ड्रग फ्री का दिया संदेश

■ शिक्षित होना नारी सशक्तिकरण का पहला कदम: डॉ.जोगिंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। जागरूकता रैली निकालती छात्राएं। *फोटो: हरिभूमि*

राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन छात्राओं द्वारा चतरगढ़ पट्टी में एंटी ड्रग रैली का आयोजन किया गया जिसे महाविद्यालय के डॉ. विक्रमजीत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से समाज की सेवा करने का अवसर मिलता है महान पुरुषों के उदाहरण उदाहरण देते हुए सेविकाओं को अनुशासित व समर्पित होकर समाजिक कार्यों के लिए प्रेरित किया। तीसरे सत्र में महाविद्यालय प्रांगण का निरीक्षण करके जरूरत के मुताबिक संवारने का कार्य किया। अंतिम सत्र में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रीत कौर के साथ शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक स्टाफ सदस्यों तथा सभी एन एस एस विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

<u>7 Days NSS Camp</u>

स्वयंसेविकाओं ने शिविर के दौरान निकाली बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ रैली

सिरसा : राजकीय महिला महाविद्यालय में डा. प्रीत कौर के संयोजन में एनएसएस शिविर के चौथे दिन की शुरुआत प्रार्थना, लक्ष्य गीत व योग से की गई। सोमवार को मुख्य वक्ता समाजसेवी रणजीत सिंह टक्कर ने पर्यावरण विषय पर व्याख्यान दिया।

रणजीत सिंह टक्कर ने कहा कि पर्यावरण का मतलब है, हमारे चारों तरफ मौजूद सभी जैविक और अजैविक तत्वों का समूह। यह मानव जीवन का आधार है। पर्यावरण में हवा, पानी, मिट्टी, वनस्पति, वन्य जीवन और अन्य जीवित प्राणी शामिल हैं। पर्यावरण को तीन भागों में बांटा गया है, भौतिक पर्यावरण, जैविक पर्यावरण, सामाजिक पर्यावरण। पर्यावरण संरक्षण का मतलब है, अपने चारों तरफ के परिवेश की सुरक्षा करना और उसे अनुकूल बनाए रखना। इसमें वायु, जल, भूमि, पेड़-पौधे, जीव-जन्तु, और मानव गतिविधियों का समावेश होता है। घर के कचरे को सही तरीके से अलग करना, जैविक पदार्थों का उपयोग करना, जल का उचित उपयोग करना, प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना, पर्यावरण संरक्षण के लिए कानून भी बनाए गए हैं। दूसरे सत्र में स्वयंसेविकाओं ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत रैली निकाली जिसे कार्यकारी प्राचार्य डा. विक्रमजीत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तीसरे सत्र में महाविद्यालय में सफाई अभियान चलाया गया। अंतिम सत्र में अंताक्षरी कार्यक्रम आयोजित किया गया। अंत में मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर किरण बाला, रितिका मौजूद रहे।

जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते कार्यकारी प्राचार्य डा. विक्रमजीत सिंह • विज्ञप्ति

7 Days NSS Camp

जल जीवन का आधार, इसका सही उपयोग हम सबकी जिम्मेदारी : गोयल

संवाद न्यूज एजेंसी

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसके पांचवें दिन जल संरक्षण और आईटी विशेषज्ञ रमेश गोयल मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने जल संरक्षण विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

गोयल ने कहा कि जल हमारे जीवन का आधार है और इसका सतत उपयोग सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के प्रति जागरूकता न बढ़ाने पर आने वाली पीढ़ियों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने छात्राओं को जल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संचयन और जल अपव्यय रोकने के व्यावहारिक उपाय बताए।

कार्यकारी प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि हर व्यक्ति अपने स्तर पर जल संरक्षण में योगदान दे सकता है। नल बंद रखना, पानी के रिसाव को रोकना, घरेलू स्तर पर जल का पुनः उपयोग करना और पौधरोपण को बढ़ावा देना आदि छोटी आदतें जल संकट को कम करने में सहायक हो सकतीं हैं।

एनएसएस इकाई की प्रभारी डॉ. प्रीत कौर ने बताया कि शिविर के दूसरे सत्र में एक निजी प्रयोगशाला से आए हिमांशु मेहता ने जांच के लिए सभी स्वयंसेविकाओं के रक्त के नमूने लिए। इसी सत्र के दौरान सभी स्वयंसेविकाओं की गायन और नृत्य प्रतियोगिता भी हुई।

सिरसा के महिला महाविद्यालय में जल संरक्षण के बारे में जानकारी देते वक्ता। स्रोत : कॉलेज

7 Days NSS Camp

सेवा भाव बिना जीवन निरर्थक: डा. सरजीत सिंह भांभू

सिरसा (विवेचक) राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा में महाविद्यालय के प्राचार्य राम कुमार जांगड़ा की अध्यक्षता में तथा एनएसएस प्रभारी डा. प्रीत कौर के संयोजन में चल रहे एन एस एस इकाई के सात दिवसीय थीम के अंतर्गत अंतिम सातवें दिन की शुरूआत लक्ष्य गीत तथा सरस्वती वंदना के साथ की गई। सात दिवसीय शिविर के समापन अवसर पर डा. सरजीत सिंह रिटायर्ड एसोसिएट प्रोफेसर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिरसा ने बतौर मुख्य अतिथि के रुप में शिरकत की। कालेज प्राचार्य राम कुमार जांगड़ा द्वारा मुख्य अतिथि का बुक्के के साथ स्वागत किया गया। डा. सरजीत सिंह भांभू ने एनएसएस विद्यार्थियों को सेवा भाव पर संबोधित करते हुए कहा कि सेवा का भाव व्यक्ति को जीवन में सर्वाधिक आत्म संतोष प्रदान करने के साथ साथ खुद का मोटिवेशन अथवा आत्म प्रेरणा का भाव जागृत भी करता है। सेवा का भाव व्यक्ति को नेतृत्व करने की क्षमता प्रदान करता है। सेवा भाव से प्रेरित व्यक्ति अच्छे लीडर बन कर सामने आते हैं और समाज के अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन जाते हैं।सेवा करने के लिए आमतौर पर ऐसी धारणा प्रचलन में है कि अमीर बन कर या फिर अधिक उम्र होने पर ही सेवा की जा सकती है। परंतु यह निराधार है। क्योंकि सेवा का कोई निश्चित स्वरूप या सीमा नहीं है। अगर हम सेवा नहीं कर सकते तो हमारा यह मानव जीवन निरर्थक है।